बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-280
25/05/2020

मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये किये जा रहे कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की, मुख्यमंत्री के निर्देश

- वर्तमान में कोविड संक्रमण से सुरक्षा और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता।

- अब बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर आ चुके हैं और उनके आने का सिलसिला अभी भी जारी है। इनमें काफी लोग कोरोना पॉजिटिव पाये जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में सभी जिलों के आइसोलेशन वार्ड में बेडों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुये डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाते हुये पूरी तैयारी रखी जाय।

- स्वास्थ्य विभाग आइसोलेशन वार्ड्स में संक्रमित लोगों की बढ़ती संख्या के अनुसार ऑक्सीजन सप्लाई, पल्स ऑक्सी मीटर एवं अन्य चिकित्सकीय सुविधाओं की निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार समुचित तैयारी रखें।

- टेस्टिंग की क्षमता में वृद्धि हुयी है किंतु बाहर से आ रहे लोगों की संख्या को देखते हुये टेस्टिंग कैपिसिटी को कम से कम प्रतिदिन 10 हजार करने की आवश्यकता है। इसके लिये सभी जिलों एवं चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों में आर0टी0पी0सी0आर0, ट्रूनैट मशीन, सी0बी0 नैट मशीन, टेस्टिंग किट्स एवं कार्ट्रिज की अधिकाधिक व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उपलब्ध मशीनों को तुरंत फंक्शनल करना सुनिश्चित करें।

- पल्स पोलियो की तर्ज पर सभी प्रवासी लोगों की डोर टू डोर विस्तृत स्क्रीनिंग उपयुक्त टीम के माध्यम से लगातार कराते रहें और इसका फॉलोअप भी करते रहें। बाहर से आने वाले लोगों की प्रोटोकॉल के अनुसार सैंपलिंग और टेस्टिंग सुनिश्चित हो।

- दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के साथ–साथ सभी जरूरी उपकरणों एवं पी0पी0ई0 किट्स इत्यादि की सप्लाई चेन की निरंतरता बनाये रखें।

- जो लोग क्वारंटाइन सेंटर पर क्वारंटाइन की निर्धारित अवधि पूरा कर या अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर जा रहे हैं, उनके प्रति सकारात्मक रहें। उनसे संक्रमण का कोई खतरा नहीं है।

- जिलों में क्वारंटाइन सेंटर में रह रहे लोगों को उनके स्किल के अनुसार उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिलाने की व्यवस्था हेतु लगातार निदेश दिये जा रहे हैं। सभी संबंधित विभाग इसका अनुश्रवण करें। ऐसी व्यवस्था करें कि सभी को यहीं रोजगार मिले, किसी को अकारण बाहर नहीं जाना पड़े। बिहार के विकास में प्रवासी मजदूरों को भागीदार बनायें।

- कोरोना संक्रमित लगातार स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। अतः लोग घबरायें नहीं, धैर्य रखें, सचेत रहें और सतर्क रहें।

पटना, 25 मई 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये किये जा रहे कार्यों की मुख्य सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा की।

समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कोविड संक्रमण से सुरक्षा और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं, जिसका सघन अनुश्रवण करते रहें। उन्होंने कहा कि सभी को यहीं रोजगार मिले, यह हम सबकी इच्छा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर आ चुके हैं और उनके आने का सिलसिला अभी भी जारी है। इनमें काफी लोग कोरोना पॉजिटिव पाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में सभी जिलों के आइसोलेशन वार्ड में बेडों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुये डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाते हुये पूरी तैयारी रखी जाय।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य विभाग आइसोलेशन वार्ड्स में संक्रमित लोगों की बढ़ती संख्या के अनुसार ऑक्सीजन सप्लाई, पल्स ऑक्सी मीटर एवं अन्य चिकित्सकीय सुविधाओं की निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार समुचित तैयारी रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेस्टिंग की क्षमता में वृद्धि हुयी है किंतु बाहर से आ रहे लोगों की संख्या को देखते हुये टेस्टिंग कैपिसिटी को कम से कम प्रतिदिन 10 हजार करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इसके लिये सभी जिलों एवं चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों में आर0टी0पी0सी0आर0, ट्रूनैट मशीन, सी0बी0 नैट मशीन, टेस्टिंग किट्स एवं कार्ट्रिज की अधिकाधिक व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उपलब्ध मशीनों को तुरंत फंक्शनल करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पल्स पोलियो की तर्ज पर सभी प्रवासी लोगों की डोर टू डोर विस्तृत स्क्रीनिंग उपयुक्त टीम के माध्यम से लगातार कराते रहें और इसका फॉलोअप भी करते रहें। बाहर से आने वाले लोगों की प्रोटोकॉल के अनुसार सैंपलिंग और टेस्टिंग सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के साथ–साथ सभी जरूरी उपकरणों एवं पी0पी0ई0 किट्स इत्यादि की सप्लाई चेन की निरंतरता बनाये रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में क्वारंटाइन सेंटर में रह रहे लोगों को उनके स्किल के अनुसार उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिलाने की व्यवस्था हेतु लगातार निदेश दिये जा रहे हैं। सभी संबंधित विभाग इसका अनुश्रवण करें। ऐसी व्यवस्था करें कि सभी को यहीं रोजगार मिले, किसी को अकारण बाहर नहीं जाना पड़े। बिहार के विकास में प्रवासी मजदूरों को भागीदार बनायें।

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुये कहा कि जो लोग क्वारंटाइन सेंटर पर क्वारंटाइन की निर्धारित अवधि पूरा कर या अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर जा रहे हैं, उनके प्रति सकारात्मक रहें। उनसे संक्रमण का कोई खतरा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमित लगातार स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। अतः लोग घबरायें नहीं, धैर्य रखें, सचेत रहें और सतर्क रहें।

******